परम पिता की हम स्तुति गायें,

परम पिता की हम स्तुति गायें,

ही है जो बचाता हमें,

सारे पापों को करता क्षमा,

सारे रोगों को करता चंगा द्य

धन्यवाद दें उसके आंगनो में,

आनंद से आएं उसके चरनों में,

संग गीत गा कर खुशी से

मुक्ति की चट्टान की जय ललकारें द्य

वही हमारा है परम पिता,

तरस खता है सर्व सदा,

पूरब से पश्चिम है जितनी दूर

उतनी ही दूर किये हमारे कुसूर द्य

InstaAstro

माँ की तरह उसने दी, तसल्ली

दुनिया के खतरों में छोड़ा नहीं,

खालिस दूध कलाम का दिया

और दी हमेशा की जिन्दगी द्य

चरवाहे की मानिंद ढूंढा उसने,

पापों की कीच से निकाला हमें,

हम को बचाने को जान अपनी दी

ताकि हाथ में हम उसके रहें द्य

घोंसले को बार-बार तोड़कर उसने

चाहा की सीखें हम उड़ना उससे,

परों पर उठाया उकाब की तरह

ताकि हम को चोट न लगेंद्य

InstaAstro